

# दिल्ली दरबार में योगी का सत्कार

उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं से की मुलाकात। मंत्रियों के विभाग बंटवारे को लेकर पार्टी नेतृत्व से भी किया विचार-विमर्श

बीएस संवाददाता

उत्तर प्रदेश के नव नियुक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पदभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को राजधानी दिल्ली के अपने पहले दौर में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की यह शिष्टाचार भेंट थी।

योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक करीब 20 मिनट की मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को राज्य सरकार से जुड़े विभिन्न विषयों के बारे में बताया। गृह मंत्रियों ने नई सरकार को शुभकामनाएं दी और केंद्र सरकार की तरफ से हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया। राजनाथ सिंह स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अभी राज्य की राजधानी लखनऊ से ही लोकसभा के सदस्य हैं।

योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इनके अलावा राज्य की भाजपा सरकार में 44 मंत्री भी बनाए गए हैं। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनी है।



दिल्ली प्रवास के दौरान योगी आदित्यनाथ संसद भवन भी पहुंचे और लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा लिया। वह उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बावजूद अब भी लोकसभा के सदस्य हैं। लिहाजा वह कार्यवाही में हिस्सा लेने के हकदार हैं। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चल रही चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने बारे में बनी कट्टर हिंदुत्व की छवि को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की प्रेरणा के साथ हर जाति, वर्ग, समुदाय

और प्रत्येक क्षेत्र के विकास के लिए काम करेगी और प्रदेश के विकास का नया ढांचा खड़ा करेगी।

गोरखपुर से भाजपा सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव के दौरान तमाम तरह की बातें कहीं जा रही थी जब मोदीजी लोगों के पास जा रहे थे और जब देश एवं अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न विकट परिस्थितियों में उन्होंने प्रधानमंत्री पद का दायित्व संभाला था। लेकिन सभी को साथ लेकर चलते हुए प्रधानमंत्री ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था और देश के विकास को गति प्रदान करने का काम किया, वह दुनिया के समक्ष आदर्श

## दिल्ली में योगी

■ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात

■ केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने योगी को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

■ लोकसभा में वित्त विधेयक पर चल रही चर्चा में भी शामिल हुए योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। *फोटो पीटीआई*

कि गोरखपुर का सांसद चुने जाने के बाद पिछले डेढ़-दो दशकों के दौरान वहां गुंडागर्दी की एक भी घटना नहीं हुई, व्यापारियों को गुंडा ठैक्स नहीं देना पड़ा, अपहरण नहीं हुए, एक भी दंगा नहीं हुआ। अब पूरे उत्तर प्रदेश में उसी तरह का माहौल बनाया जाएगा।

## शिवसेना ने दी योगी को नसीहत

भाजपा के सहयोगी दल शिवसेना का है कि उत्तर प्रदेश के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री को अपने 'धार्मिक कर्तव्यों' का पालन करने से ज्यादा सुशासन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शिवसेना ने इशारों में योगी आदित्यनाथ की अनुभवहीनता पर प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का प्रशासन मठ चलाने जितना आसान नहीं है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा, 'धार्मिक कर्तव्यों का पालन करने

की बजाय आदित्यनाथ को सुशासन एवं विकास करने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का प्रशासन मठ चलाने जितना आसान नहीं होगा।' योगी आदित्यनाथ गोरखपुर मठ के महंत भी हैं। इसके साथ ही शिवसेना ने उत्तर प्रदेश में दो उप मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भी निशाना साधा है। वर्ष 2014 में भाजपा ने महाराष्ट्र में शिवसेना को उप-मुख्यमंत्री का पद देने से इनकार कर दिया था।

# मिशन 2019 में महिलाओं को केंद्र में रखने की तैयारी

संजीव मुखर्जी और अर्चिस मोहन

वर्ष 2014 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने युवाओं के सपनों को पूरा करने का भरोसा दिलाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शानदार जीत दर्ज कराई थी। अगले लोकसभा चुनाव में अब दो साल का ही समय रह गया है लिहाजा मोदी सरकार ने अभी से उसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अगले चुनाव में सरकार अपनी गरीब-समर्थक छवि को मजबूत करने के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाएं शुरू करने के बारे में सोच रही है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद पार्टी नेतृत्व को महिलाओं के लिए खास योजनाएं चलाने की अहमियत का अहसास हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने चुनाव में जीत के बाद यह स्वीकार भी किया है कि केंद्र की तरफ से चलाई गई गरीब-समर्थक योजनाओं

का इसमें खासा योगदान रहा है। खास तौर पर गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर देने वाली उज्वला योजना ने भाजपा के पक्ष में महिलाओं को लामबंद करने में अहम भूमिका निभाई। इससे भाजपा को यह बखूबी अहसास हो चुका है कि महिलाएं कुल मतदाताओं की आधी संख्या होने के साथ ही महिला-केंद्रित मसलों को अधिक तरजीह दे रही हैं। इसके पहले बिहार और दिल्ली के चुनावों में भाजपा की हार के लिए महिलाओं का समर्थन न मिलने को एक बड़ी वजह बताया गया था।

ऐसे में केंद्र सरकार की भावी योजनाओं में महिलाओं से संबंधित मुद्दों को खास तवज्जो दिए जाने की संभावना है। इससे सरकार को बिहार में लागू शराबबंदी के कदम को देश के अन्य राज्यों में लागू करने के लिए नीतीश कुमार की तरफ से डाले जा रहे दबाव से निपटने में भी सहायता मिल सकती है। नीतीश का दावा है कि शराबबंदी को महिलाओं का जबर्दस्त समर्थन



मिल रहा है और इससे न केवल अपराध पर काबू पाने में मदद मिली है बल्कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर पर भी गुणात्मक बदलाव देखे जा रहे हैं।

ऐसे में केंद्र सरकार उज्वला योजना और गर्भवती महिलाओं को 6,000 रुपये की आर्थिक मदद देने जैसी कई अन्य योजनाएं भी लेकर आ सकती है। सरकार महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए सस्ते दर पर अनाज मुहैया कराने के साथ ही गरीब

परिवारों को जरूरत के अन्य सामान खरीदने के लिए कुछ रकम देने के बारे में भी सोच रही है। इस बीच उज्वला योजना को देश के अन्य हिस्सों में पूरी शिद्दत से लागू किया जाएगा। इस साल के अंत में चुनाव का सामना करने जा रहे गुजरात और हिमाचल प्रदेश पर इसका खास धर रहेगा। सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिए जाने वाले राशन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं करने जा रही है। संयुक्त प्रगतिशील सरकार के समय तय की गई अनाजों की दरें अब भी प्रभावी हैं। वर्ष 2013 में लागू इस कानून के तहत राशन की दुकानों से दो रुपये प्रति किलो की दर से गेहूँ, तीन रुपये प्रति किलो के भाव से चावल और एक रुपये प्रति किलो की दर से दालें देने का जिक्र था। वैसे तो यह दर वर्ष 2016 में ही संशोधित की जानी थी लेकिन सरकार ने उसे एक साल के लिए बढ़ा दिया था। अब इसके एक और साल के लिए बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

# फार्मसी स्टोर कसने लगे अपनी कमर

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवा बेचने वाली कंपनियों से निपटने को तैयार होने लगे हैं स्थानीय फार्मसी स्टोर

अनीश फडणीस

पिछले कुछ वर्षों से लोगों का दवाई खरीदने का तरीका बदल रहा है। ब्रांडेड श्रृंखलाओं की मौजूदगी से गली-गली में दवा बेचने वाले स्थानीय स्टोर स्मार्ट बन गए हैं। अब ऑनलाइन कंपनियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक योजनाओं से इस प्रतिस्पर्द्धा को और बढ़ा दिया है। इससे निपटने के लिए अपोलो, मेडप्लस और दूसरी श्रृंखलाएं नई-नई योजनाएं लेकर आ रही हैं ताकि ग्राहकों को अपने साथ बनाए रख सकें और साथ ही अपने कारोबार का विस्तार किया जा सके।

दवाओं का खुदरा कारोबार काफी छिटा हुआ है। देशभर में दवा की 7 लाख से अधिक दुकानें हैं। इनमें से ब्रांडेड स्टोर एक फीसदी से भी कम हैं जबकि बाकी सभी आम दुकानें हैं। ब्रांडेड स्टोर की संख्या भले ही कम हो लेकिन वे इस व्यापक असांगठित क्षेत्र में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ब्रांडेड श्रृंखलाओं ने गुणवत्ता, बेहतर सेवा और छूट के दम पर अपनी ब्रांड वैल्यू बनाई है। लेकिन ऊंचे किराये और बढ़ती ऊपरी लागत की परंपरागत खुदरा चुनौतियों के साथ-साथ नेटमेड्स, बुकमेड्स जैसी ऑनलाइन कंपनियों से बढ़ रही चुनौती के कारण उन्हें अपनी रणनीति बदलने को मजबूर होना पड़ रहा है। अपने ग्राहकों को बरकरार रखने के लिए ब्रांडेड स्टोर सर्विस प्लस मॉडल अपना रहे हैं जिसके तहत ग्राहकों को लायल्टी पॉइंट, छूट और कई दूसरी सुविधाएं दी जा रही हैं। ब्रांडेड श्रृंखलाओं को ज्यादा उत्पाद बेचने का फायदा होता है। और सामान्यतः वे स्वास्थ्य देखभाल और साफ सफाई के अन्य उत्पाद भी बेचते हैं। इससे उन्हें बेहतर राजस्व मिलता है। विस्तार का मतलब है लागत पर दबाव। इसमें ऊंचा किराया और वेतन शामिल है।

## लॉयल्टी कार्ड

अपोलो हॉस्पिटल्स का फार्मसी डिवीजन 18 राज्यों में 2,500 से ज्यादा स्टोर चलाता है



और यह इस क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी दर्शकों को लुभाने के लिए अपना विस्तार करने के साथ-साथ मार्केटिंग की ज्यादा परिष्कृत रणनीति अपना रही है। अपोलो फार्मसी हर साल 250 नए स्टोर खोल रही है। साथ ही उसकी डिजिटल तरीकों पर जोर देने और एक मोबाइल ऐप शुरू करने की भी योजना है। अपोलो फार्मसी के मुख्य संचालन अधिकारी पी जयकुमार ने कहा कि डिजिटल पहल और ऐप अगले वित्त वर्ष में शुरू किए जाएंगे। कुछ महीने पहले कंपनी ने गिफ्ट कार्ड और एसएमएस अलर्ट की व्यवस्था शुरू की थी जो ग्राहकों को बताती है कि उनका दवाई का कोटा खत्म होने जा रहा है। जयकुमार ने कहा, 'हम अभी तक दो लाख कार्ड बेच चुके हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी ने अपने ग्राहकों के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें अस्पताल की कुछ सेवाओं की मुफ्त पेशकश और कुछ चुनिंदा फार्मसी स्टोर में नर्स स्टेशन स्थापित करना शामिल है। इनमें ग्राहक रक्तचाप और शुगर जैसी बुनियादी स्वास्थ्य जांच करा सकते हैं।

देश की दूसरी सबसे बड़ी फार्मसी श्रृंखला मेडप्लस के देशभर में 1,400 स्टोर हैं। कंपनी अब फ्रैंचाइजी के जरिये अपना विस्तार करने की योजना बना रही है। साथ ही प्राइवेट लेबल ब्रांड पर भी उसका जोर दे रही है। कंपनी हर प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं जहां

## दवाओं के खुदरा कारोबार की सूट बदलने में जुटे फार्मसी स्टोर

उपभोक्ता दवा का ऑर्डर दे सकते हैं या खरीद सकते हैं। मेडप्लस का दक्षिण और पूर्व भारत में दबदबा है। मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज के मुख्य संचालन अधिकारी डॉ सुरेंद्र मंतेना ने कहा, 'पहले हम इन बाजारों की जरूरतों को पूरा करेंगे और फिर पूरे देश में अपना विस्तार करेंगे। फिलहाल कंपनी के पास 1,350 स्टोर हैं और बाकी फ्रैंचाइजी हैं। हमने हाल में फ्रैंचाइजी देना शुरू किया है और आगे से हम इसी के जरिये विस्तार करेंगे। हमारी योजना 4-5 साल में और 2,000 स्टोर खोलने की है।' पिछले साल मेडप्लस ने एक एस पी बालासुब्रमण्यम को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। कंपनी ने उपभोक्ताओं के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा और लॉयल्टी प्रोग्राम भी शुरू किया है। उपभोक्ताओं को दवा खरीदने पर नकद छूट या मुफ्त में टूथब्रश या टूथपेस्ट जैसे घरेलू सामान मुफ्त दिए जा रहे हैं।

## ऑनलाइन कंपनियों की चुनौती का सामना

बड़ी ब्रांडेड श्रृंखलाओं का कहना है कि

वे भारी छूट देने वाली ऑनलाइन कंपनियों की चुनौती स्वीकार करने और यहां तक कि उन्हें बेहतर बनाने को तैयार हैं। मंतेना ने कहा, 'ऑनलाइन फार्मसी उपभोक्ताओं को सुविधाएं देते हैं और हम चाहते हैं कि उनकी लोकप्रियता बढ़े। हालांकि उनके लिए नियम बनाने की तैयारी चल रही है। हमारा मानना है कि हम इस माध्यम का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और ऑनलाइन में हमारी पहले से ही उल्लेखनीय मौजूदगी है।'

जयकुमार ने कहा, 'ऑनलाइन फार्मसी के बारे में बहुत हलचल है। अलबत्ता हम ऑनलाइन बिक्री के बारे में सरकार और एफडीए के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। जहां तक तकनीकी तैयारी का सवाल है तो हम इसमें लगे हैं और अपने आईटी व्यवस्थाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं।'

ऑर्गैल्वी कॉमनवैल्व वर्ल्डवाइड के अध्यक्ष राना बावा का मानना है कि बड़ी संगठित फार्मसी श्रृंखलाएं ऑफलाइन और ऑनलाइन बिजनेस कारोबार को मिलाने के लिए ज्यादा बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, 'ब्रांडेड श्रृंखलाएं आधुनिक खुदरा और नैतिक विपणन का अहसास कराती हैं। उनके लिए अगला सुनहरा मौका चिकित्सा उपकरणों की बिक्री हो सकती है।' अलबत्ता उन्हें ब्रांडेड श्रृंखलाओं के व्यापक विस्तार की बहुत ज्यादा संभावना नजर नहीं आती है।

ईवाई में पार्टनर और लीडर (एमजिग) मार्केट्स, लाइफ साइसेज) का कहना है कि चेन स्टोर और ऑनलाइन फार्मसी के साथ भारत में एक तीसरा बिजनेस मॉडल उभर सकता है। यह बैनर मॉडल है जो ऑस्ट्रेलिया में आम है। उन्होंने कहा, 'एक बैनर के तले संगठित खुदरा दुकानें कई तरह की सेवाएं देंगी और कई प्लेटफॉर्म के एक साथ होने से इसे फायदा मिलेगा। परंपरागत दुकानों में आम है। उन्होंने कहा, 'एक बैनर रखते हुए दायरा बढ़ाने से फायदा मिल सकता है।'

## Corrigendum To The Detailed Public Statement For The Attention Of The Equity Shareholders Of O P CHAINS LIMITED

CIN: U27205UP2001PLC026372 | Registered Office: 8/16 A, Seth Gali, Agra - 282003.

In compliance with Regulations 3(2) of the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011

This Corrigendum to the Detailed Public Statement ("Corrigendum") is being issued by Sobhagya Capital Options Limited ("Manager to the Offer" or "Sobhagya"), for and on behalf of Mr. Om Prakash Agarwal, Mr. Satish Kumar Goyal and Mr. Ashok Kumar Goyal (hereinafter collectively referred to as "Acquirers") pursuant to and in compliance with Regulation 3(2) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, as amended ("Regulations"). This Corrigendum should be read in continuation of, and in conjunction with the Detailed Public Statement ("DPS") dated Monday, June 20, 2016.

Capitalized terms used but not defined in this Corrigendum shall have the same meaning assigned to such terms in the DPS, unless otherwise specified.

The shareholders of O P CHAINS LIMITED are requested to note the developments/ amendments with respect to and in connection with DPS are as under.

- Pursuant to the SEBI observation letter no. CFD/DCR2/OW/P/2017/6022/1 dated March 20, 2017, this Offer is being made by the Acquirers pursuant to regulation 3(2) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto ("SEBI (SAST) Regulations").
- The revised schedule of activities pertaining to the Offer is set forth below:

Sr. No.	Activity	Day and Date	Revised Time Schedule Day and Date
1	Date of Public Announcement (PA)	Tuesday, June 14, 2016	Tuesday, June 14, 2016
2	Date of publication of the Detailed Public Statement (DPS)	Tuesday, June 21, 2016	Tuesday, June 21, 2016
3	Identified Date*	Friday, July 22, 2016	Wednesday, March 22, 2017
4	Date by which Letter of offer (LOO) will be dispatched to the Shareholders	Friday, July 29, 2016	Thursday, March 30, 2017
5	Last date for upward revision of Offer Price and / or Offer Size	Monday, August 01, 2016	Friday, March 31, 2017
6	Last date by which Board of Director of the Target Company shall give its recommendation	Wednesday, August 03, 2016	Wednesday, April 05, 2017
7	Offer Opening Public Announcement	Thursday, August 04, 2016	Thursday, April 06, 2017
8	Date of commencement of Tendering Period (Offer Opening Date)	Friday, August 05, 2016	Friday, April 07, 2017
9	Date of closing of tendering period (Offer Closing Date)	Monday, August 22, 2016	Friday, April 21, 2017
10	Date by which all requirements including payment of consideration would be completed	Tuesday, September 06, 2016	Monday, May 08, 2017

\* Identified Date is only for the purpose of determining the names of the shareholders on such date to whom the Letter of Offer would be sent. All owners (registered or unregistered) of Equity Shares of the Target Company (except the Acquirer and Seller) are eligible to participate in the Offer any time before the closure of the Offer.

3. References to various dates as mentioned in PA/DPS/DLOO should be read as per revised activity schedule as mentioned above.

4. Smt. Heera Devi, Part of promoter Group has acquired 80000 Equity Shares of the Target Company during the Offer Period, due to which company has violated the provisions of Chapter V of SEBI (SAST) Regulation 2011. Further in this regard, Target company undertakes that it will comply with the Regulation 7(4) of SEBI (SAST) regulations, 2011 accordingly. Further in this regards SEBI may initiate appropriate action against the Promoter in Terms of SEBI (SAST) Regulations, 2011 and provisions of the SEBI Act for the same.

### NOTE:

- Subject to statutory approvals, the Open Offer shall continue and shall be completed as per the schedule set out above and updated in the LOF sent to shareholders of the Target Company.
- The Acquirers accept full responsibility for the information contained in this Corrigendum to the DPS and also for the obligations of the Acquirers laid down in the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers), Regulations 2011 as amended.
- Copy of this Corrigendum to Detailed Public Statement will also be available on www.sebi.gov.in and website of manager to the offer www.sobhagycapital.com and at the Registered Office of the Target Company i.e. 8/16 A, Seth Gali, Agra-282003, Uttar Pradesh, India.

**ISSUED FOR AND ON BEHALF OF THE ACQUIRERS BY MANAGER TO THE OFFER**  
**SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS LIMITED**  
 B-206, Okhla Industrial Area, Phase - I, New Delhi - 110020.  
 Tel: 91 - 11 - 6565 1644  
 E-mail: delhi@sobhagycap.com  
 Website: www.sobhagycapital.com  
 Contact Person: Mr. Suraj Jha and Mr. Rhytham Kapoor  
 SEBI Registration No: INM 000008571

Place: New Delhi  
 Date: March 21, 2017